

मूल्य—वार्षिक पैतीस रूपये : प्रति अंक : तीन रूपये पच्चास पैसे

अतएव

अपनी बात : ३

गतिविधि : ७० प्र० हिन्दी संस्थान तथा अन्य संस्थाओं की गतिविधियां ७

भाषा, सभ्यता एवं संस्कृति—डॉ० प्रेमनारायण शुक्ल २०

नेपाल में हिन्दी शिक्षा—डॉ० कृष्णचंद्र मिश्र २६

वृंदावनलाल वर्मा—डॉ० प्रभाकर माचवे ३० कथा हूं मैं—रामस्वरूप सिन्धूर ३२

अंबिका प्रसाद दिव्य—विजय लक्ष्मी 'विभा' ३३

हिन्दी काव्य जगत में छायावाद—डॉ० सूर्य प्रसाद शुक्ल ३८

डॉ० संपूर्णानंद : बाबूजी—स्व० सर्वबानंद ४२ बहन का लड़का—रतीलाल शाहीन ४५

पेटियां—सी० नारायण रेड्डी ५० आत्मोन्नति—विमला सक्सेना ५२

डॉ० रामकुमार राय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व—कृष्ण कुमार राय ५४

स्त्री का दायित्व और नौकरी—बी० सिन्हा ६२ ७० प्र० हिन्दी संस्थान के नये प्रकाशन ६४

यथार्थ की ओर बढ़ते हुए कदम—डॉ० अरुण प्रकाश मिश्र ६६

नवीन प्रवृत्तियों के प्रति सहानुभूति—कालि त्रिवेदी ६६

पुस्तकों का मूल्यांकन—दीपक कृष्ण वर्मा/अशान्त

सन्तों की अनमोल वाणी : शब्द बाबा नानक शाहजी/पलटू साहिब ७७

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के प्रति—डॉ० इन्दु प्रकाश ऐरन ७६

लेखकों के विचार अपने हैं । सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है ।